ये है आईआईएम रायपुर का नया कैंपस

200 एकड़ क्षेत्र

2 अरब 69 करोड़ खर्च

एसी की आवश्यकता न हो इसलिए दीवार के बीच चौबीस घंटे बहेगा पानी

सितंबर अंत तक मैनेजमेंट छात्रों को मिल जाएगा उनका नया कैंपस

देश का पहला आईआईएम जो तैयार हो रहा आधुनिक तकनीक के साथ

"आईआईएम रायपुर के नए कैंपस के प्रथम चरण का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। नया रायपुर में ग्राम तेंदुआ से लगभग 3 किमी दूर स्थित 200 एकड़ में फैला यह कैंपस पहले चरण में करीब 269 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार है। पहले चरण में बेसिक बिल्डिंग तैयार की गई है। जिसमें फैकल्टी बिल्डिंग, एकेडमिक बिल्डिंग, हॉस्टल, मेस लाइब्रेरी, रेसिडेंशियल एरिया जैसी सुविधाएं हैं। जो लगभग अपने पूर्णतया की ओर है।"

तापमान को सामान्य रखने रेडिएंट कूलिंग व हीटिंग सिस्टम

नए कैंपस में बने स्टूडेंट्स के हॉस्टल में एसी का प्रयोग नहीं होगा। यहां के तापमान को कंट्रोल में रखने के लिए रेडिएंट कूलिंग एंड हीटिंग सिस्टम का उपयोग होगा। इसमें बिल्डिंग की दिवारों में कुछ गेप और छेद होते हैं, जिसमें पानी डाला जाता है। जिससे वहां का तापमान सामान्य हो जाता है। इसी तकनीक का प्रयोग स्टूडेंट्स के हॉस्टल में किया गया है। जिससे एसी की जरूरत नहीं होगी। दूसरे चरण में होने वाले निर्माण कार्य और अन्य बिल्डिंगों में भी इस तरह के प्रयोग किए जा सकते हैं।

प्रणेश सिंह ⏭ रायपुर

कैंपस पूरे तरह से अपनी आधुनिकता के साथ निर्मित हो रहा है, जिसमें हर एक चीज का बारिकी से ध्यान रखा गया है। इस कैंपस के पहले चरण को भी पूरा होने में कुछ महीने और लगेंगे लेकिन यह अभी से ही खूबसूरत लग रही है। जहां बड़ी-बड़ी अट्रेक्टिव बिल्डिंग, उद्यान, बेहतरीन आर्कीटेक्ट, व सुविधाओं से पूर्ण यह कैंपस देश का पहला कैंपस होगा, जहां एसी का उपयोग कम से कम करने के लिए एसी के स्थान पर दीवारों के बीच से चौबीसों घंटे पानी बहेगा।

कैंपस में चलेगी सिर्फ साइकिल नहीं होगा वाहनों का प्रयोग

इस कैंपस को पूरी तरह से इकोफ्रेंडली बनाए रखने के लिए साइकिल का प्रयोग होगा। जिसके लिए कैंपस में साइकिल ट्रेक भी बनाया गया है। जो हॉस्टल से एकेडमिक व फैकल्टी की बिल्डिंग को जोड़ता है। सभी बिल्डिंग साइकिल ट्रैक के जरिए एक-दूसरे जुड़ेंगे। इसके लिए स्टूडेंट्स और फैकल्टी को साइकिल भी संस्थान प्रदान करेगी। इस कैंपस में ईंधन वाले व्हीकल का प्रयोग प्रतिबंधित होगा।

अपनी बिजली से चलेगा आईआईएम

कैंपस में इन सबके अलावा अन्य सुविधाएं भी होंगी। जिसमें मिनी ऑडिटोरिम, जहां लगभग 500 की संख्या में स्टूडेंट्स बैठ सकेंगे। वहीं मेन ऑडिटोरियम में पूरे कैंपस के लोग व गेस्ट एक साथ आ जाएंगे। क्लासरूप पूरी तरह से हाइटेक होगा। लाइब्रेरी में एडवांस ब्लूंबक सॉफ्टवेयर होगा, जिससे फाइनेंस के स्टूडेंट्स को सभी कंपनियों के डेटा आसानी से उपलब्ध होंगे। सोलर एनर्जी सिस्टम भी लगाए गए हैं, जिससे बिजली की खपत कम हो सके। यही नहीं अधिकतर भवनों में कांच का इस्तेमाल किया गया है, जिससे प्राकृतिक रोशनी आ सके। रोटेटिंग ब्लैक बोर्ड, रेस्त्रां, गेस्ट हाउस जैसी अनेक सुविधाएं होंगी।

फोटो : अजय साहू

सितंबर तक शिफ्टिंग की तैयारी

हम पूरी कोशिश में हैं कि सितंबर तक आईआईएम अपने नए भवन में शिफ्ट हो जाए। अकेडमिक भवन का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है।

- जागरूक डाबरा, मीडिया प्रभारी, आईआईएम रायपुर।

वाटर हार्वेस्टिंग के लिए कृत्रिम झील

कैंपस में वर्षा का पानी स्टोर करने व जमीन के वाटर लेवल को बराबर रखने के लिए कृत्रिम झील बनाई जाएगी। इसके लिए खुदाई शुरू हो गई है। बारिश के पानी का इस्तेमाल करते हुए इसे भरा जाएगा। इसके लिए कैंपस के दोनों तरफ नहर भी बनाई गई है। छात्रों को पढ़ाई के लिए प्राकृतिक वातावरण मिल सके, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है।

क्रिकेट और फूटबॉल ग्राउंड सहित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी

कैंपस में स्टूडेंट्स की सुविधा के लिए शॉपिंग कांप्लेक्स भी बनाया गया है। जहां सुपर मार्केट, बैंक एटीएम जैसी सुविधाएं होंगी। वहीं स्टूडेंट्स के फिजिकल फिटनेस व इंटरटेन के लिए स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का भी निर्माण किया जा रहा है। जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, जैसे गेम्स के साथ अन्य गेम्स के लिए जगह बनाए जा रहे हैं। इस जगह पर स्वीमिंग पुल का भी निर्माण किया जाना है।

सितंबर तक शिफ्टिंग का प्लान

वर्तमान में आईआईएम सेजबहार स्थित जीइसी कैंपस के बिल्डिंग में संचालित हो रहा है। उसके नए कैंपस के पहले चरण का कार्य लगभग तैयार है। बस इसकी फिनीशिंग का कार्य चल रहा है। जिसमें क्लास, फैकल्टी रूम, स्टोर रूम, लाइब्रेरी व रेसिडेंसियल एरिया बन गए हैं। इसकी फिनिशिंग के बाद सितंबर अंत तक अपने नए कैंपस में शिफ्ट करने का प्लान बना रहा है।

Haribhoomi, 10 July 2018, P.16-17